बिरज भासा पतरिका

अपनी बिरज, अपनी भासा

अपरैल ते जून-2018

* या कलयुग में रूपया चां कितनौ भी गिर जाए, पर इतनौ कभी ना गिर पावैगौ, जितनौ रूपया कूं इंसान गिर चुकौ है।

* इन्सान कहबै अगर मेरे ढिंग पईसा होतौ कछू कर कैं दिखाऊं, लेकिन पईसा कहबै तू कछू करकैं दिखा तभी तौ मैं आऊं।

संपादक

निरमान सोसाइटी-डीग-भरतपुर

कहानी (सोने की चोंच)

एक कउआ और एक चिरियाई। दोनूं पक्के यारे। दोनूं एक दूसरे के काम में हात बांटैये। एक दिना उन्नै सोची हम खेत में नाज उगा लैं। याते हमन्नै इत बितकूं कहीं पै भटकनौ तौ ना परैगौ। चिरिया नै कही चलौ फसल बोबे कूं जमीन तईयार करयामै। कउआ बोलौ हां-हां ठीक है। फिर सोचकैं कउआ बोलौ तू चल चिरिया मैं अभी आयौ। बस अपनी चोंचै सौने ते मढवा लूं और पामन में जूता पैहर लूं। चिरिया जाकैं खेत तईयार करबे लग्गी। जब तक कउआ पौंहोंचौ तब तक खेत तईयार हैगौ। चिरिया बोली अब काह फायदा। फिर बीज बोबे की बात आई तौ कउआ नै फिर कह दई कै मैं सोने ते चोंचै मढवा लूं। चिरिया बीज भी बो आई और कटाई की टैम पै फिर भी फसल काट आई। फसल बांटबे की बारी आई तौ कउआ वाके आगैं- आगैं चल दियौ। एक ढेर नाज कौ और एक ढेर भुस कौ लगरौ। कउआ नै कही मैं नाज लैलूं तू भुस लैलै। चिरियाय भौत बुरी बात लगी। पर ऊ कछू ना बोली। इतनी ही कही जैसी तिहारी इच्छा। स्याम कूं वाई टैम पै पहाड पै तूफान आयौ और भौत जोर ते मेह बरसौ। चिरिया तौ भुस में छिपकैं बैठगी। तूफान और ठन्ड ते बचगी। पर अगले दिना दिननिकरैं कउआ ठन्ड ते ठिठुर कैं मरौ परौ मिलौ। जो दूसरेन की मैहनतै हडप लैमै पिरकिरती उन्नै कभी भी माफ ना करै।

सुकन्या खाते की खासियत

1. खातौ 10 साल की उमर तक ही लडकी के नाम पै खोलौ जा सकै।

2. एक लडकी के नाम पै केवल एक ही खातौ खोलौ जा सकै।

3. डाकघर में जाकैं खातौ खुलवा सकैं।

4. लडकी कौ जन्म के पिरमान कौ कागज जाके नाम कौ खातौ खोलौ गयौ है ऊ दिखानौ और जमा करानौ जरुरी है।

5. खातौ कम ते कम 1000 रुपया में खुलवानौ जरूरी है और वाते पीछैं तौ भली ते 100-100 रुपया के हिसाब ते जमा कराऔ।

6. कम ते कम साल में एक पोत 1000 रुपया जमा करानौ जरुरी है।

7. सरकार समै-समै पै सूचना दैबै पै ब्याज की गिनती साल के हिसाब ते इकट्ठे के आधार पै की जाबैगी और खाते में जमा करी जाबैगी।

8. एक साल में जादा ते जादा 150000 (डेड लाख) जमा करा सकै।

9. जमा हुये धन के 50% की दर ते पढ़ाई / सादी को पूरौ करबे कूं खाते वारे की उमर 18 साल की उमर में ही एक पोत ही निकार सकै।

10. खातौ कोई भी डाकघर/बैंक में भारत में कहीं भी बदलौ जा सकै।

11. खाता खोलबे की तारीक ते 21 साल कौ पूरौ हैबै पै पक्कौ मानौ जाबैगौ।

सुकन्या खातौ कैसैं खोलैं

1. माता-पिता दो लडकीन कूं खाता खोल सकैं। जुडवा या तीन के मामले में, सरकारी अस्पताल आदि ते पिरमान कागज के हिसाब पै ही छूट दी जाबैगी।

2. खातौ तब तक माता-पिता के द्वारा खोलौ जा सकै जब तक लडकी के बच्चा की उमर 10 साल की ना हो।

3. खातौ केवल लडकी के नाम पै खोलौ जा सकै, माता-पिता केवल लडकी के बच्चा की ओर ते रुपया जमा करबे में राजी हो।

4. खातौ भारत भर में डाकघर या नामित बैंक साखा में खोलौ जा सकै।

सुकन्या खाते के बारे में जानकारी

1. यदि खाते में कम ते कम रासि के साथ भी जमा ना कियौ गयौ तौ 50 रुपया कौ जुरमानौ लगायौ जाबैगौ।

2. माता-पिता को 14 साल की रासि जमा करनी है, पक्के हैबै ते पीछैं कोई जमा की जरुरी नाय।

3. लडकी के बच्चाय 18 साल ते पीछैं कम रासि कौ 50% (आदे) की समै ते पहलैं वापिसी (पिछले वित्तीय वर्ष के अंत) की अनुमति है।

4. 21 साल पूरौ हैबे ते पीछैं खातौ बंद कर दियौ जाबै और पईसा वापिस लै लियौ जा सकै। यदि रासि वापिस ना ली जाबै तौ, तौ ई ब्याज कमाबे कूं जारी रेहगी।

5. आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के अनुसार,रुपये का निवेश। प्रति वर्ष 1.5 लाख अर्जित ब्याज सहित आयकर से पूरी तरह छूट दी जाएगी।

खातौ खोलबे कूं जरुरी कागज

1. लडकी के बच्चे कौ जन्म पिरमान कागज।

2. माता-पिता के पते और फोटो पहचान कागज(पैन कार्ड, मतदाता आईडी, आधार कार्ड)

3. सुकन्या योजना मख्य रुप ते लडकी के ऊपर है और भारतीय डाकघर और पिरधान मन्तरी सरकार की योजना है।

मुहावरा

1 अकल पै पत्थर परगौ।

अर्थ- बुध्दि भ्रष्ट होना।

2. मुंह में पानी आगौ।

अर्थ- कोई खाने की चीज का नाम लेना।

पहेली

1. हात पांम में जंजीर पडी, फिर भी दौड लगाबै।

टेडे मेडे रस्तान ते गांम- गांम घुमाबै।। - साईकिल

2. धक- धक मैंई करती, फक-फक धुआं फैंकती।

बच्चे बूढे मोपै चढते, निसानन पर मैं दौडती।। - रेलगाडी

चुटकला

1. एक सहर की छोरी कौ भ्याह गांम में हैगौ। एक दिना वाकी सास नै कही बेटी भैंस कूं न्यार डारया। ऊ भैंस कूं न्यार डारबे गई तौ भैंस के मौंह में झाग आरे तौ ऊ चुपचाप घर आकैं बैठगी। सास नै पूछी बेटी चुपचाप कैसैं बैठीय भैंस कूं न्यार डारयाई का। ना मम्मी भैंस तौ अभी कौलगेट करीय। सास गैरोस हैकैं गिर पडी।

2. एक सरदार नै एक ढकेल बारे पै ते एक किलो अमरूद खरीदे। एक अमरूद में ते ते कीरा निकरियाऔ। सरदार अमरूद बारे के ढिंग गयौ और बाते बोलौ यामै तौ कीरा निकरौय। तौ अमरूद बारौ बोलौ ये तेरी किस्मत की बाते आगैं काह पतौ कै तोकूं मोटरसाईकिल निकरियाबै। सरदार बोलौ भाई सहाब दो किलो और दैदे।

कहावत

1. कहे कौ तौ बेटी- बेटाय ना तौ ईंट पत्थर।

अर्थ- अगर बेटी या बेटा अपने माता पिता का कहना मानता है तो बेटी- बेटा है। नहीं तो वह ईंट या पत्थर के समान है।

2. थोरौ पढ़ौ तौ हर ते गयौ और जादा पढ़ौ घर ते गयौ।

अर्थ- अगर मनुष्य कम पढ़ जाता है तो हल चलाने का भी नहीं रहता है और ज्यादा पढ़ जाता है वह घर का भी नहीं रहता है। क्योंकि उसकी नौकरी लग जाती है तो वह बहार ही नौकरी करता है।

अन्याय और अत्याचार करबे बारे, उतने दोसी ना माने जामैं, जितने कि वाय सहन करबे बारे।

लोकगीत

1. कब की ठाडी मैं बाट देखरई नहाजा- नहाजा रसिया
मैं तौ आई पटिया जुआन बारौ पायौ रसिया
अब की करबट कौ कसालौ करौं पर जा रसिया
नीचैं परै बहू पै जोर ऊपर रोबै रसिया

2.कब की ठाडी मैं बाट देखरई जैंजा- जैंजा रसिया
मैं तौ आई पटिया जुआन बारौ पायौ रसिया
अब की करबट कौ कसालौ करौं पर जा रसिया
नीचैं परै बहू पै जोर ऊपर रोबै रसिया

3.कब की ठाडी मैं बाट देखरई पानी पीजा रसिया
मैं तौ आई पटिया जुआन बारौ पायौ रसिया
अब की करबट कौ कसालौ करौं पर जा रसिया
नीचैं परै बहू पै जोर ऊपर रोबै रसिया

4.कब की ठाडी मैं बाट देखरई सोजा रसिया
मैं तौ आई पटिया जुआन बारौ पायौ रसिया
अब की करबट कौ कसालौ करौं पर जा रसिया
नीचैं परै बहू पै जोर ऊपर रोबै रसिया

भजन

1. टेक – सतगुर मोय बताओ बुढापौ मेरौ काइते कटैगौ।

1. पहली बहू मेरी चाय कर लाई, चाय पियौ मेरी सास चाय तौ ठन्डी हो जायेगी

सतगुर मोय बताओ बुढापौ मेरौ काइते कटैगौ।

2. दूजी बहू मेरी पानी लै आई, तुम नाहो मेरी सास पीठ तिहारी मींड दऊं

सतगुर मोय बताओ बुढापौ मेरौ काइते कटैगौ।

3. तीजी बहू मेरी रोटी लै आई, तुम रोटी जैंऔ मेरी सास बर्तन तौ तिहारे मांज दऊं

सतगुर मोय बताओ बुढापौ मेरौ काइते कटैगौ।

4. चौथी बहू मेरी खटिया लै आई, तुम बैठौ मेरी सास पैर तिहारे दाब दऊं

सतगुर मोय बताओ बुढापौ मेरौ काइते कटैगौ।

5. पांची बहू मेरी यूं उठ बोली बुढिया लिकरी चालाक बुढापे काट गई सतगुर मोय बताओ बुढापौ मेरौ काइते कटैगौ।

2.टेक- सतगुर मोकूं देऔ बताऔ बुढापौ कैसैं कटै मेरौ।
एक लम्बी थैलियां सिम्बाइयौं कांकर पत्थर भर भईयौं
या रात कूं दियौं बजाय बुढापौ सैज कटै तेरौ।

1. मेरी बडी बहू नै सुन लीनी तातौ पानी कर लाई
तुम नाह लेऔ मेरी सास पींठ तिहारी रोज मिढैगी जी
सतगुर मोकूं देऔ बताऔ बुढापौ कैसैं कटै मेरौ।
एक लम्बी थैलियां सिम्बाइयौं कांकर पत्थर भर भईयौं
या रात कूं दियौं बजाय बुढापौ सैज कटै तेरौ।

2. मेरी दूजी बहू नै सुन लीनी, खीर पूरी लर लाई
तुम जैं लेऔ मेरी सास, खीर मेरी रोज रदैंगी
सतगुर मोकूं देऔ बताऔ बुढापौ कैसैं कटै मेरौ।
एक लम्बी थैलियां सिम्बाइयौं कांकर पत्थर भर भईयौं
या रात कूं दियौं बजाय बुढापौ सैज कटै तेरौ।

3. मेरी तीजी बहू नै सुन लीनी एक खाट बिछइया लै आई
तुम सो जाऔ मेरी सास पैर तिहारे रोज दबाऊंगी
सतगुर मोकूं देऔ बताऔ बुढापौ कैसैं कटै मेरौ।
एक लम्बी थैलियां सिम्बाइयौं कांकर पत्थर भर भईयौं
या रात कूं दियौं बजाय बुढापौ सैज कटै तेरौ।

तईयार करबे बारे
जगदीश चन्द नैहचैनिया, सतवीर चौधरी
और रतन लाल योगी
मिलबे कौ पतौ
निर्माण सोसायटी
सहारई रोड़, ब्लू बर्ड इसकूल के पास,
डीग,भरतपुर, राजस्थान- 321203
Ph.-05641- 224424, 9587593455
Email- rajasthanlanguages@nirmaan.org.in
Web- www.nirmaan.org.in